



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0546705

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Anupit Kumar

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

21/08/23

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre

Lilawati School
Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस दृष्टिकोण में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य

कॉर्पोरेट संस्थाओं के संचालन को शुभ धारणा से संबंधित करने से है

यथा - टाटा समूह की कंपनियों द्वारा अपनाये जाने वाले उच्च सामाजिक मानक

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) का एकीकरण

गवर्नेंस : सर्वोच्च कार्यसंस्थाने
पर्यावरण : स्थानीय संसाधनों का संरक्षण
सामाजिक : जातिगत का संरक्षण
उच्च मानकों का अनुसरण ताकि

① खाद्य पदार्थों में प्रदूषण न हो
स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना

② अधिकतम व्यक्तियों के सुख से प्रेरणा

यथा - आवश्यक कम बिजली आशंका वाले क्षेत्रों में कर्मचारियों को र.सी. का विकल्प न देना

स्वीकारण से होने वाले लाभ

① कॉर्पोरेट की छवि मजबूत होती है
यथा- टैस्ला व टाटा समूह

② सामाजिक स्वीकार्यता में वृद्धि
∴ भूमि अधिग्रहण में लाभ

③ विधायी समर्थन हासिल होता है
यथा ∴ भारत जी टेलीकॉम कंपनियाँ

④ उत्पादों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का
निर्माण में सहायक

⑤ समाज निर्माण के भूमिका का निर्वहन

⑥ पर्यावरण संरक्षण से सतत लाभ
होते हैं ॥

⑦ अधिकतम दोहन की जगह व्यवहार्य दोहन
से आगति में खला मजबूत

“भारत में कॉर्पोरेट संस्थाओं द्वारा
ESG पालन से उन्हें बड़े बाजार के साथ
साथ अधिक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त
होगी”

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

भ्रष्टाचार अपने पद या शक्ति का दुरुपयोग करने से संबंधित है, इसमें दोनों पक्ष वहीं न वहीं जिम्मेदार होते हैं-

मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार में देने वाले भी भूमिका

① प्रायः यह आवश्यकता आधारित ही जगह जालय आधारित भ्रष्टाचार

यह समाज के धृजतम अपराधों में से एक

२. यथा- व्यापक घोटाला
दूजी घोटाला

३ लेने वाले को उसके प्राधिकार का

दुरुपयोग करने को प्रेरित

५ कभी-कभी ¹¹ अनावश्यक ढाँचा बनाना
यथा- खून माफिया या संस्थाओं
के आवंटन में

संस्थाओं हेतु चुनौती

→ जब तक बुरे परिणाम सामने नहीं आते
तब तक सार्वजनिक डोमेन में न
आना यथा- बिजली

→ मामलों की अंडर रिपोर्टिंग

→ भ्रष्टाचार हुआ है यह साबित करना
कठिन कार्य

→ देने वाले त्यजित की कड़ी सजा
हेतु विधायी निर्वात

→ मौद्रिक इतर भ्रष्टाचार को संज्ञान
में लेना चुनौती

... भ्रष्टाचार को समाप्त करने हेतु
विधायी उपयोगों के साथ व्यवहारगत परिवर्तनों
की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत मिशन जैसी
पहल उपयोगी सिद्ध होगी।

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर किसी सरकारी विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं तथा शिकायत निवारण के प्रावधानों का दस्तावेज होता है।

भारत में नागरिक चार्टर अपनी शुरुआत से ही प्रक्रियागत बाधाओं तथा खराब प्रशासनिक कार्यसंस्कृति की चुनौतियों से जूझते रहे हैं -

नागरिक चार्टर को लागू करने में आने वाली बाधाएँ -

1. पारदर्शिता तथा अनुश्रुतिशीलता की संस्कृति का अभाव -

भारत में औपनिवेशिक

उम्मीदवारों को इस हार्जिफ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

काल कि अवशेष कि रूप में गोपनीयता को प्रधानता

II. कार्यसंस्कृति

स्वस्थ तथा जनकेंद्रित कार्यसंस्कृति का अभाव प्रमुख बाधा

III. नौकरशाही का प्रागिक्षण

:-) प्रागिक्षण न होने से वजह से नागरिक चार्ज की संरचना उपयुक्त नहीं होती।

IV. जनता में जागरूकता का अभाव

यदि जनता अपने अधिकारों के सजग है तो नौकरशाही की प्रतिक्रिया में परिवर्तन आता है।

V. प्रबोध्य समर्थन का अभाव

यह अनुपालन न करने वाले विभागों को बढ़ावा देता है।

" कल्याणकारी राज्य कि संवैधानिक मॉडेल को पूरा करने हेतु नागरिक चार्ज

अत्यावश्यक है। भारत इस संदर्भ में स्वीकृति के दोषों कि अनुभव से लाभ प्राप्त कर सकता है। "

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

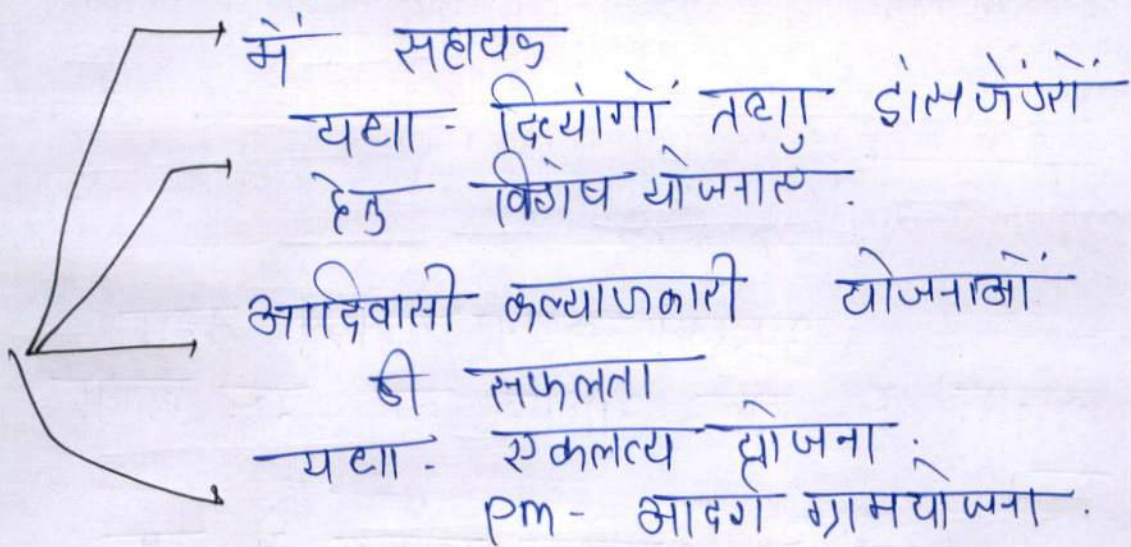
Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण राज्य द्वारा अपने नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं को सुदृढीकृत करता है। यह कल्याणकारी राज्य तथा सामाजिक न्याय का अभिन्न अंग है।

कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने में सार्वजनिक वितरण की भूमिका।

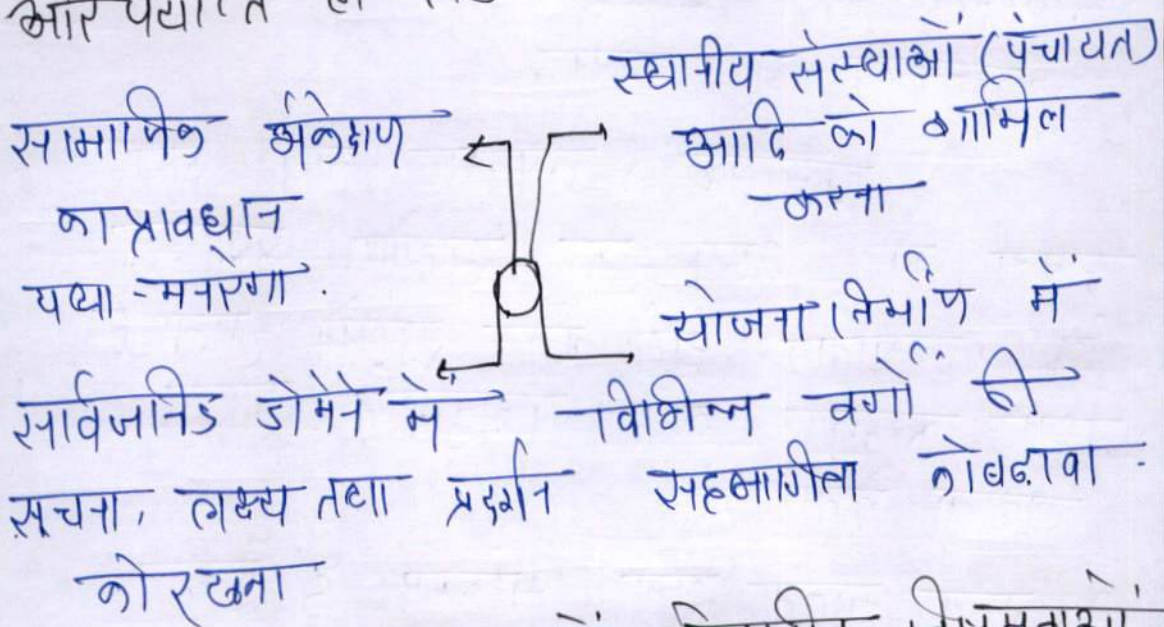
- भारत में मनरेगा तथा PDS सार्वजनिक सेवा वितरण की प्रभावशीलता का द्योतक
- PM- जनधन योजना सेवा वितरण में पारदर्शिता
- आधार कार्ड से संगत करना वर्ग, जाति, धर्म के विभाजन को समाप्त तथा BAPU योजना

सामाजिक न्याय की प्राप्ति



उम्मीदवारों को
इस हार्डिफ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

हालांकि कई मामलों पर सर्वजनिक
सेवा विवरण में सुधार किया जा सकता है
निराले यह और निष्पक्ष कुशल
और पर्याप्त हो सके.



अनु- 33 में उल्लिखित विधमताओं
के अन्तर्गत सर्वजनिक सेवा विवरण
को और अधिक सशक्त करना होगा

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

उपलब्ध कथन नैतिकता तथा
करणा के मूल आधार को प्रकट करता
है।

दूसरों के आर्थिक सहायता से हम
नैतिक रूप से अपनी स्वीकार्यता में
वृद्धि करते हैं। यह आगे हमें
कई प्रकार से लाभ करता है पश्चात
कॉर्पोरेट संस्थाओं द्वारा सामाजिक
जवाबदेही का पालन।

प्रशासनिक रूप में स्वयं के
क्षमता से अन्य का सहयोग प्रशासन
के जनतावधिक चेतने को सामने लाता है
तथा करणा व सहानुभूति को
बढ़ावा देता है।

115 राज यादव द्वारा मिनिम डि कुछ
गांवों को गोद लेना।

यह सामाजिक मान्यता भी है।

उम्मीदवारों को
इस हार्डि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

दिया गया धन आपके पास ही
आता है। इसे साध साध इसका
प्रतीकात्मक अर्थ ही है यथा

नैतिक रूप से
आत्मसंतुष्टि

समाज निर्माण में
भागीदारी

स्वयं ही अस्तित्व को
अपनी करुणा से भावना भावना का माजबूत
को आकार देना

वर्तमान समय में जब
समाज में विघ्नता अपने चरम स्तर पर
है तबमें उच्च गति लोग ही अधिक
विश्व संसाधनों से स्वामी हैं वे उनमें
देने का यह लाओत्से का मूल्य सर्वाधिक
प्रासंगिक है।

भारत में देने से सुदीर्घ परंपरा
रही है यथा दधीची, भगोश, हर्षवर्धन
आदि हमें भी आवश्यकता है हम
अपनी भूमिका से निर्वहण करें।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्डिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त नैतिक नष्टान कार्य
संस्था की प्रणाली को संबोधित
करता है।

प्रायः हर संगठन में कार्यसंस्था
में टॉप टू बॉटम इम्प्लीमेंट अपनाया
जाता है जिसमें अगर शीर्ष पर बैठे
व्यक्ति की अगर अनैतिक होंगे तो यह
संभव है कि संपूर्ण संगठन अनैतिक
हो सके।

अधिकांश स्न. जी. ओ. की कार्यप्रणाली

यदि शीर्ष पर नैतिक नेतृत्व
कायम है तो वह सुनिश्चित करेगा
कि संपूर्ण संगठन नियमों, मानकों
का अनुसरण करेगा साथ ही वह
अनैतिक व्यक्तियों के खिलाफ
कार्रवाई भी बढ़ावा देगा
यद्यपि भारत में लोकपाल अधिनियम

इसका सर्वोत्तम उदाहरण हम
ईस्ट इंडिया कंपनी की कार्य प्रणाली में
देख सकते हैं जिसकी प्रकृति अनिवार्य
कि पूर्व शीर्ष पर भौतिकता आधारित
थी।

हालांकि शीर्ष कि अलावा मुख्य
निम्न स्तरों पर स्थित व्यक्तियों की
जिम्मेदारी बनती है कि यदि शीर्ष गलत
का अनुसरण कर रहा है तो वे
उसे बदल दें यथा
1789 की फ्रांसीसी क्रांति।

अतः यह सामाजिक मूल्य
ही होते हैं जो भौतिकता को प्रोत्साहित
करते हैं।

“वर्तमान में यह आवश्यक है कि
सामाजिक न्याय, समावेशी व दृढ़ आर्थिक
विकास की प्राप्ति हेतु हर स्तर पर, हर
व्यक्ति नेरीक हो।”

3. (c)

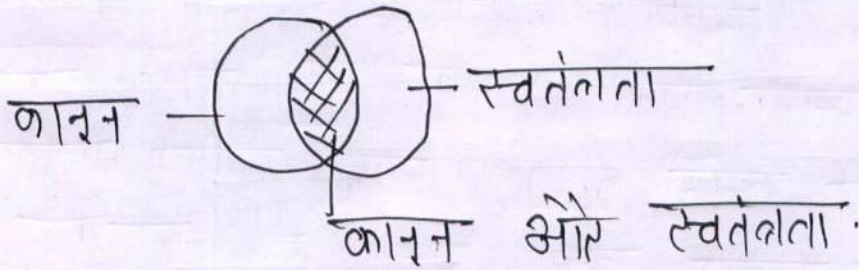
"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून तथा स्वतंत्रता में
अ-यो-यायिन संबंध है यथा-



1. सर्वोत्तम स्थिति वह है जब
कानून तथा स्वतंत्रता दोनों एक दूसरे
को प्रोत्साहित करते हैं
यथा- मूल अधिकार
मेजनाकारी आदि.

2. हालांकि सत्तावादी समाजों हाल
जैसे जैसे कानून बनाये गये हैं जो
स्वतंत्रता को बाधित करते हैं
यथा- गैलेट स्मूट

3. कानून अग्रलिखित प्रकार
से स्वतंत्रता को संरक्षित व उसे बढ़ावा
दे सकता है -

4. उचित कानून, विनियामक डि भूमिका में होते हैं तथा बुझिबुझ प्रतिबंध भी आरोपित करते हैं यथा.

भारत में मूल अधिकार.

5. कानून स्वतंत्रता का दमन करने वाली प्रथाओं का अंत कर सकता है
बैधुआ मजदूरी (उ-मूलन) अधिनियम.

6. कानून ऐसी स्थितियों / परिदृश डि निर्माण में सहायक है जिनमें नागरिक

स्वतंत्रता का उपयोग कर सके
7. विशेष विवाह अधि. 1954

यह स्वतंत्रता से असंगत सामाजिक प्रथाओं को खारिज कर सकता है.

8. कानूनी रूप से शिक्षित समाज तथा न्यायपालिका, कार्यपालिका डि साधेनायकवाद से स्वतंत्रता डि सुरक्षा करती है

वर्तमान समय में जहाँ स्वतंत्रता डि मूल्य में उल्लरोल वृद्धि हुई है उसमें स्वतंत्रता डि संगत कानून निर्माण अधिक महत्वपूर्ण है.

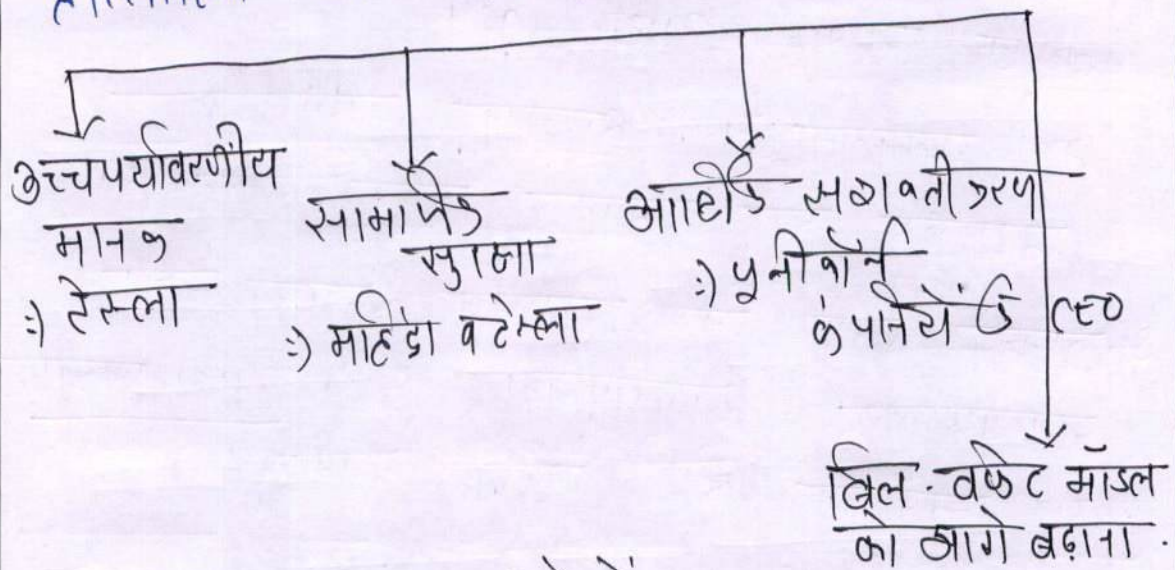
4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान आर्थिक प्रणाली लाभ चालित पूंजीवाद से परोपकार प्रेरित पूंजीवादी मॉडल डि ओर प्रेरित हुयी है। जिसमें अधिकांश कंपनियाँ तथा CEO व्यापक समाज डि कर्तव्य को प्रोत्साहित कर रहे हैं यथा-



सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम

- ① यह सार्वजनिक क्षेत्र डि अनुपूरक डि रूप में कार्य।
- ② एक दुसरे को प्रेरित करने में मुख्य भूमिका।

- 11) आपदाओं के पश्चात् समान के प्रत्यास्थता में सहत्वपूर्ण भूमिका
- 12) पर्यावरण बर्धों के प्राप्ति में सहायक
- 13) विभिन्न रूपों के माध्यम से गरीब, छुसमरी इर करने में सहायक.
- 14) अलीकी आदि राष्ट्रों के संसाधनों व लाभ के न्यायोचित वितरण में सहायक.

बाधार्थ -

- ग्रीनवार्गिंग को खतरा
- समानांतर अर्थव्यवस्था के निर्माण का खतरा
- स्न. जी. ओ. के कालाधन कायप्रणाली पारदर्शी नहीं होना
- सामाजिक प्रभावों को मापने की व्यवस्था न होना
- उत्पादों के बढ़ावा देने का खतरा.

हालांकि परंपरगरी पूंजीवाद न्याय संगत लाभ के वितरण के अत्यंत आवश्यक है किं इलहा मुख्य ध्यान क्षमता निर्माण में होना चाहिए.

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को
इस हार्डिंग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भौद्योगिकी ज्ञान के बाद नि। में
समाज को व्यापक रूप से परिवर्तित
करने के क्षमता विद्यमान है -

AI और निष्पक्षता

चूंकि AI द्वारा और अल्गोरिदम पर
आधारित है अतः यह वैचारिक
वर्गों के खिलाफ पूर्वाग्रह प्रदर्शित
कर सकती है -

ने मार्कोसॉफ्ट के चैटबॉट ने हाल ही में
नस्लवादी लिपि लिखी है।

इटली में कंपनियों ने महिलाओं के
खिलाफ साक्षात्कार में पक्षपात का
भारोप लगाया है।

नि। और पारदर्शिता

चूंकि नि। मॉडल में लिये गये निर्णय

सामने आते हैं अतः

निर्णय के आधार तथा अपनायी गयी प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती।

निर्णय के मानकों तक पहुँच नहीं होती।

ऑरेंटेशन से महिलाओं के रोजगार में संकट

11। ओर नौकरी के सुरक्षा

शिक्षा तथा बेयर इकॉनामी के बीच सभी से अधिक प्रभावित होने वाले उद्योगों में सेक्टर

पूँजी तथा प्रौद्योगिकी के द्वारा भ्रम विस्थापन आकर्षण

“हालांकि 11 के लाभ भी अधिक हैं तथा नवाचार आदि अतः नेताओं के समाधान हेतु वैश्विक विनियमन को अपनाया जाए जो मानव के हित हो”

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती, राजाराम मोहनराय आदि की तरह भारत के प्रमुख समाज सुधारकों में से एक रहे हैं। इनकी शिक्षाओं को आज समाज के माध्यम से समझा जा सकता है-

① स्वामी दयानंद ने भारतीय परिस्थितियों की अनुरूप शिक्षा प्रणाली की स्थापना की तथा गुरुकुल कोषों की

② नयी शिक्षा नीति में भारतीय तत्व मिली न मिली स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावित हैं।

③ वेदों के ओर लोगों को नारा वर्तमान में भारतीय पारंपरिक ज्ञान पहचान (TRK) की महत्ता को प्रतिपादित

④ उन्होंने अस्पृश्यों तथा महिलाओं

के धार्मिक अधिकारों का समर्थन किया
① :- यही भावना सबरीमालावाद में
निर्णय में तजर

② स्वामी दयानंद मूल्य आधारित शिक्षा
को बल देते थे जो निम्न मूल्यों
पर आधारित थी-

बंधुत्व स्वतंत्रता
समानता
सहिष्णुता सौम्यता गौरव

वर्तमान में भी भारतीय
सामाजिक विमर्श में ये मूल्य देखे जा
सकते हैं यथा- समानता हेतु महिला आध्यात्मिक
योजनाएँ

स्कूल में विविधता को सम्मान
इसरो आदि डि माध्यम से
राष्ट्र गौरव की भावना

स्वामी दयानंद सरस्वती लक्ष्मणी
सुधारक थे अतः वर्तमान में भी उनकी
विचारधारा को आकार दे रहे हैं

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

लोक सेवा के प्रति समर्पण से तात्पर्य सार्वजनिक भावना को व्यक्तिगत हितों के ऊपर प्राथमिकता देने से है। यह माना जाता है कि आदर्श समय में कार्य करने से बढ़कर है यथा : कोविड-19 समय राजेंद्र बहाल द्वारा भीलवाड़ा मॉडल

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

भारत जैसे बहुलवादी राज्यों में प्रशासन द्वारा सभी वर्गों को समान समझा जाये तथा सभी को सुना जाये यह अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पूर्व निर्वाचन आयोग की स्मृति अधिनियम द्वारा प्रदत्त गैर पक्षपात

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

निर्णय निर्माण न्यायोचित हो, प्रगतिशील हो, अधिकारों के संगत हो इसके लिये आवश्यक है कि निर्माण प्रक्रिया में स्वयं के मान्यताओं, मूल्यों से बचा जाये यथा

भारती वाद - 1973

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

बहुलवादी समाज एक उकाई के रूप में बने रहे यह निर्धार करता है कि वे भय के बात, राय को सम्मान देते हैं या नहीं। अपने लाभ के साथ साथ हितों जो दूसरों को प्रभावित करें उनके संरक्षण में स्थान हैं या नहीं।

यथा: भारतीय राष्ट्रवाद

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

गौतम बुद्ध के अनुसार करुणा सभी नैतिकताओं का मूल है। यह दूसरे की सहायता तथा उसकी स्थिति में सुधार करने को प्रेरित करता है।

प्रशासन के जनता-निष्ठ चहरे हेतु करुणा अत्यावश्यक है यथा हाल ही में उप्र. के IPS अधिकारी द्वारा बुद्ध महिला के घर में विधुल केबलान उपलब्ध कराना।

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता इसमें है
होस्ट्रोफ है साथ सुदृढ़ भावनाओं
है प्रबंधन सेही

यूँही इसमें भावना प्रधान होती
है अतः व्यक्तिवादिता का तत्व इसमें
प्रबल होता है-

व्यक्तित्व विशेषता तथा सफलता का
आयाम

① यह व्यक्ति हो सक्षम करती है
कि वे अपनी भावनाओं की आभिव्यक्ति
पर नियंत्रण कर सके

यथा- उच्च अधिकारी पर गुस्सा
नहीं करना

राजनेताओं द्वारा विरोधी को का
सम्मान करना

11) यह उन व्यक्तियों में अधिक मौजूद होती है जो

{ वैवाहिकपूर्ण समाज से आते हैं
{ लोभतात्त्रिक भावना का समावेश है
समानुभूति की भावना विद्यमान है।

111) रोजमर्रा की जिंदगी में यातायात आदि के पालन तथा छोटे मोटे तनाव में भी आवश्यक।

112) यदि व्यक्ति साहसी तथा इच्छा व दौरेवान है तो उसे साध मिलेगी वह अधिक सफल हो सकता है।

प्रशासन की सफलता हेतु कार्रगों के भीतर भावनात्मक सुहृमत्ता का तत्व अनिवार्य है।

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्डिंग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

राज्य के वेधता तथा उत्प्रे-
कल्याणकारी चरित्र हेतु जवाबदेही लेना
अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हालांकि वर्तमान जगल भी है।
युग में तृतीय पल भी निम्नोदारी
के निर्वाह में अपनी क्षमता दिखा
रहे हैं।

यथा ८ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ
जैसे कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार

७ आयोग

८ बहुपक्षीय व द्विपक्षीय संघर्ष

९ पाठ - भारत सिद्धे जल
संधि

१० अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी तथा
गैर राष्ट्रीय स्तर पर।

११ राज्य के भीतर तत्त्वों

७. विनियामकीय नियम

यथा - लोकपाल, लोकयुक्त -

हालांकि राज्य जब अनेक
सामलों में जवाबदेही निर्धारित
करने में तृप्ति रहता तब उपर्युक्त
संस्थाओं निर्वात को बरती हैं

किंतु राज्य की वेधता है
राज्य समक्षीन जवाबदेही के निर्धारण
है। इसका हो 'यथा' -

७. विधायी नियंत्रण स्थापित हो

७. विधायिका- कार्यपालिका- न्यायपालिका
में शक्ति बंटवारा -

७. स्तरीय व निष्पक्ष चुनावों से व्यवस्था

७. सार्वजनिक क्षेत्रों में सूचना

यथा - RTI आदि -

प्रशासन की प्रभाविता है
आवश्यक है कि वह हर स्तर पर
जवाबदेही निर्धारित करना है। इस संबंध
में 2nd ARC की अनुशंसाओं पर
विचार किया जा सकता है।

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- (a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
 - (b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

फेसियल रिक्विजिशन प्रौद्योगिकी
जहाँ रूढ़ और कानून प्रवर्तन अधिकारियों
के लिये सकारात्मक रही हैं वहीं उनमें
निहित प्रौद्योगिकीय सीमाओं तथा नियामकीय
निर्वात ने कई मुद्दों को उजागर
किया है। वर्तमान केस स्टडी भी इसी
को उजागर करती है -

(a) प्रकरण में शामिल मुद्दे -

① व्यक्तियों की निजता का संरक्षण -

राज्य द्वारा प्रत्येक चेहरे डि स्कैन
ने निजता को प्रतीक्षित प्रभावित
किया है।

② प्रौद्योगिकी की वैयक्तिकता -

जुआँ चेहरा पहचान प्रौद्योगिकी अभी
अपने प्रारंभिक चरणों में है अतः
अल्गोरिदम सटीक नहीं होता। इस
वजह से गलत निष्कर्ष सामने आने
की संभावना -

111. कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सामाजिक दृष्टि

किसी निर्दोष अधिकारी को मात्र प्रौद्योगिकी साधनों के आधार पर मुख्य संदिग्ध मानना, राज्य तथा संस्थाओं की सामाजिक दृष्टि को बिगाड़ता है।

112. सार्वजनिक डोमेन में सूचनाओं का मुद्दा

निर्दोष व्यक्ति की निजता तथा गरिमा हेतु उक्त प्रकरण से संबंधित सूचनाओं को सार्वजनिक डोमेन से हटाना।

113. क्षतिपूर्ति

प्रौद्योगिकी से गलती होने से निर्दोष व्यक्तियों के साथ हुए इये व्यवहार की क्षतिपूर्ति का मुद्दा : नौकरी जाने का खतरा सामाजिक सम्मान में भी।

114. डेटा की सुरक्षा

राज्य के संस्थाओं से तथा गैर राज्य अभिज्ञताओं से डेटा की सुरक्षा।

(b) नकारात्मक प्रभावों को कम करने हेतु
किये जा सकने वाले उपाय

⇒ डेटा क्लीनिंग करना तथा विश्वसनीय
अल्गोरिदम हेतु प्रोग्रामिंग में निवेश
करना

⇒ वैरिबल सामेदारी के माध्यम से विकास
यथा - भारत - यू.एस. 1.0 टा भागीदारी.

⇒ प्राप्त निष्कर्षों से जांच हेतु अनुरक्त
साक्ष्यों को रजत करना.

⇒ व्यक्ति को संभावितों में से रजमाना व
नि मुख्य संदिग्ध मान लेना.

⇒ मीनिंग में विश्वसनीय सूचनाओं को
साक्षा करना.

⇒ कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा पाइल
रिपोर्ट (1.0) के पहले गहन जांच
करना

11.
⇒ तब तब अपराधी का दर्जा न देना.
यदि यह पाया जाता है कि उच्च या

→ संवाधित व्यक्ति निर्दोष हैं तो अधिकारिता
क्षमता से इस बात की सूचना देना
यथा ट्विटर, या प्रेस का सहारा
लेना.

→ भूल जाने के अधिकार की ओर प्रगति
करना और सार्वजनिक डोमेन से
सूचनाओं को हटाना.

“इस प्रकार बहुआयामी रणनीति
को अपनाकर तथा प्रौद्योगिकी में निवेश
व आवश्यक उपयोग तब सीमित करने
दुरु नकारात्मक प्रभावों को कम
किया जा सकता है।”

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
 - उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
 - उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को
इस कश्चि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

कार्यस्थल में सहजता तथा
सुरक्षा महिलाओं में सार्वजनिक भागीदारी
तथा उनकी प्रदर्शन हेतु महत्वपूर्ण हैं।
यह हमेशा आवश्यक नहीं होता है।
काय करने पर ही व्यक्ति असहजता
का सामना करे।

उपरोक्त नैतिक मामला भी
इन्हीं मुद्दों से संबंधित है।

①. रीना द्वारा सामना की जाने वाली
दुर्विचार।

②. प्रबंधन से शिकायत करना या VP
को प्रोत्साहित करने देना।

यदि रीना शिकायत नहीं करेगी
तो VP अपने कृत्यों को रोकेंगे नहीं।
और शिकायत करने हेतु रीना की
पास ठीक आधारों का अभाव है।

- 11) कंपनी में नियमित रोजगार स्वीकार करना अथवा मना करने की इच्छा.
- 111) जो वर्कर्स को स्थिति के सही परिप्रेक्ष्य को बताने का है.
- 12) VP के साथ सामान्य लिखते बनाना (ऑफिशरिंग) अथवा शिक्षायात करना.
- 13) कंपनी की प्रतिष्ठा अथवा स्वयं के चारित्र्य.

14) रीना के पास उपलब्ध विकल्प.

विकल्प नं. 1.

वह बुद्ध न को और नियमित रोजगार में लग जाये

गुण	दोष
<p>1) प्रतिष्ठित कंपनी में रोजगार</p> <p>2) उच्च अधिकारियों द्वारा लाभ प्राप्त होना.</p>	<p>1) VP तथा अन्य को उसकी हलियां लेना</p> <p>2) जवाब देते नहीं रहना</p> <p>3) प्रदर्शन में गिरावट को वर्कर्स के समक्ष दृष्टि रखना</p> <p>4) VP को बहाल मिलेगा, अधिकार</p>

में गंभीर अपराध से
आयेगा.

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

11) प्रबंध को गिनायत करना

गुण	दोष
<ul style="list-style-type: none"> ○ अपने अधिकारों की रक्षा. ○ VP को जवाबदेह ठहराना 	<ul style="list-style-type: none"> ○ हालांकि साबित न होने पर राजगार जाने का खतरा ○ कंपनी की प्रतिष्ठा पर आघात.

111) रीना द्वारा अपनायी जाने वाली
कार्यवाही / विकल्प नं. 3.

- रीना को सर्वप्रथम अपने सहकर्मियों को स्थिति से गंभीरता से परिचित कराया
- अपने आत्मविश्वास को बनाये रखना साथ ही सहकर्मियों से साथ VP से सामने अपनी बात रखना कि उसे ऐसा व्यवहार असह्य कर रहा है.

① यदि VP द्वारा व्यवहार खूब नहीं दिखा
जाता तो अन्य विभाग में स्थानांतरण
अथवा

② अंततः संबंध को ठीक सुधों में
साध विजायत करना।

भौतिक :

- रीना की प्रतिष्ठा सुरक्षित
- VP को जिम्मेदार ठहराना
अन्य महिला जर्मिया के
हित में
- रोजगार भी सुरक्षित रहेगा
- कंपनी की प्रतिष्ठा भी कायम
रहेगी।

कार्यस्थल पर महिलानुत्थल वातावरण
महिलाओं को समानता हेतु पहला सोपान
है। अतः किसी भी विमत पर इनसे
सम्झौता नहीं किया जाना चाहिए।

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
 - प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
 - विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

परीक्षाओं में संस्थागत नकल नैतिक
रूप से गलत होने के साथ साथ
विद्यार्थी प्रावधानों का उल्लंघन भी है यह
सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को
बढ़ावा देता है तथा युवाओं की भागीदारी
को भी प्रभावित करता है-

(A) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(i) समानता का मूल्य

परीक्षाओं में नकल, ईमानदार
विद्यार्थियों के साथ भेदभाव है तथा
उन्हें बहिष्करण का सामना करना पड़ता
है-

(ii) कानून का प्रवर्तन

सामूहिक नकल राज्य की वैधता
पर प्रश्नार्थक

(iii) शिक्षण की गुणवत्ता

भारत में शिक्षण राज्य निर्माण
के साधन माने जाते हैं, यह
शिक्षण ही इसे को कमजोर करेगा-

①५) अन्तिमावकों डी सानिप्तता
यह समाजीकरण डी प्राज्ञेपा डो
बाधित करेगा

①६) राज्य सन्माधनों का अपत्यय

बार-बार परीक्षा करने से
कल्याणकारी कार्यों में उपयोग में
लाये जा सकने वाले सन्माधनों का
अपत्यय नैतिक अप्पराध है

①७) समस्या डी समाधान हेतु कार्यवाही

तात्कालिक उपाय

①) केन्द्र पर द्वापा सरकार, पुलिस डी सहयोग
से अपराधीयों पर रूड. आर्ड. आर
करना

②) विधार्थियों को मौका देना डी वे
अपनी परीक्षा पूरी कर लें

③) केन्द्र डी स्टॉक पर अनुगासनात्मक
कार्यवाही

④) हडताल डी प्रत्युत्तर में सहयोगी
स्थानों से स्टोड को बुलाना (मुख्यतः
सरकारी)

(4) मीटिंग को आग्रह करना कि पुनः पेपर कराये जाने की बात का प्रसारण करे

(5) आगे की परीक्षा को सीसीटीबी तथा अन्य नियामकीय निकायों के द्वारा करवाना.

(c) दीर्घकालिक रणनीति.

⇒ विभिन्न शिक्षा बोर्डों तथा प्रांतीयों परीक्षाओं के संस्थाओं का पुनर्गठन

करना यथा UPSC आयोग का पुनर्गठन

⇒ पारदर्शी परीक्षा प्रणाली हेतु सेंट्रल सेंट्रल मॉनीटरिंग को बढावा

⇒ STF आदि के नाह्यम से नज़र रखने पर कार्यवाई.

⇒ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना केन्द्रों के आवेदन में तार्किकता

⇒ लाना यथा रूप मिले के परीक्षाद्विजों को

⇒ दूसरे जिले में भेजना.

⇒ विधायी उपबंध करना
घराना उत्तराखण्ड राज्य

⇒ साध ही रोजगार तथा कौशल डि
वैकल्पिक अवसर उपलब्ध करवाना

" इस प्रकार नजल से घटनाओं
पर बहुसंख्यागत तथा समग्र रणनीति
डि माध्यम से लगाम कसी जा
सकती है। परीक्षाओं से वेधता हेतु
इसमें नजल को रोकना आवश्यक
है। "

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- (a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- (b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
 (b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हानि में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

हमारे समय में नैतिक दुविधाओं की जड़ में विकास बनाम पर्यावरण से बहस है। जहाँ प्रौद्योगिकी लगभग राष्ट्र पृथ्वी की हर रुख संपदा का विकास हेतु उपयोग करना चाहते हैं वहीं जलवायु परिवर्तन कार्यकर्तियों द्वारा इसकी पर्यावरणीय लागत को भी विचार में लाया जाता है-

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे .

(i) विकास तथा न्यायसंगत वितरण .

एक ओर जहाँ निम्न महासागरीय संपदा द्वारा विकास को प्राप्त करेगा वहीं देशों के भीतर तथा देशों के बाहर इसका न्यायसंगत वितरण की आवश्यकता होगी।

(ii) पर्यावरण संरक्षण .

महासागर सभी तरह

आधिकारगत: मानवीय हस्तक्षेप से सुरक्षित रहे हैं, सागर दोहन से यह छोटा समुद्री जलवायु को प्रभावित करेगी।

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(ii) अंतर्राष्ट्रीय नियमन - यूएन तथा UNCLOS द्वारा साधनों तथा उनके प्रावधानों के अनुरूप निगम से प्रगति

(iii) SDG लक्ष्यों से प्रभावित

SDG-3, 6 तथा 13 जैसे लक्ष्यों सीधे सीधे इस निगम से प्रभावित होंगे

(iv) व्यवहारिता अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह निगम व्यवहारित होगा व जलवायु परिवर्तन समझ में स्थापित होगा या नहीं।

(v) प्रत्येक राष्ट्र को अपनी तटीय सीमा से 200 NM तक साधनों से दोहन का अधिकार है कि यह पर्यावरण से स्वास्थ्य से अनुरूप होना चाहिए तथा-

महासागरीय दोहन से पूर्व उपग्रहों के माध्यम से साधनों से मैपिंग
→ रडार तथा सोनार तकनीकों का उपयोग

- ① प्रवाल भित्तियों का स्थानांतरण। धिये जाने चाहिए।
- ② समुद्रयान मिशन को स्वच्छ ठीका से चालित किया जाये।
- ③ कम से कम अपावृत्त का लक्ष्य।
वेरिबल सहयोग हासिल करना तथा
- ④ संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में प्रोत्साहित लाना
- ⑤ ऐसे क्षेत्रों का चुनाव जहाँ जैव विविधता अपेक्षाकृत कम है
यथा: मकर प्रायद्वीप के आसपास का क्षेत्र चुनना
- ⑥ आर्थिक विकास हेतु संसाधनों के आवृत्तता का औचित्य करना।
- ⑦ अधिकतम दोहन से जगह संधारणीय दोहन का लक्ष्य।

“ पर्यावरण के स्वास्थ्य के साथ होने वाली प्रगति ही विकास है जैसे कि आर्थिक विकास अपने में सहाय नहीं है। अतः संतुलन होना चाहिए। ”

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

11.

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
- (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
- (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

20

अपर्युक्त मुद्दा हिन्दी भी अन्य
भाषाओं से अधिक इसमें है। इसके कारण इसे
सम्मान देने तथा सहिष्णुता से संवाधित
है।

1. दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात मैं
स्वयं क्षेत्र का अवलोकन करूँगा।
2. तत्पश्चात दोनों पक्षों के कुछ
सदस्यों तथा कुछ अन्य गणमान्य
व्यक्तियों को मिलाकर एक समिति

का गठन.

3. पर्यावरण प्रभाव रिपोर्ट को पुनः तैयार करने के लिये करना व स्थानीय हितधारकों को भी इसमें शामिल करना.
4. आवश्यकता पड़ने पर धार्मिक स्थलों के आकार में परिवर्तन हेतु करना व शहर के वस्तीय क्षमता को ध्यान में रखते हुए ड्राफ्ट व्यवस्था तथा निर्माण कार्य करना.

(h) गुण	दोष
<ol style="list-style-type: none"> ① धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार ② मूल अधिकार पर्यटन से शहर की समस्त व्यवस्था को लाभ 	<ol style="list-style-type: none"> ① पर्यावरण प्रभावित स्थानीय लोगों के अपेक्षा प्रेम से ② सांप्रदायिक माहौल खराब होने के संभावना ③ विरोध प्रदर्शनों के वजह से प्रशासन की बुरी दृष्टि. ④ शहर के संधारणीयता स्तर में तथा ड्राफ्ट प्रदर्शन. प्रशासनिक बेदभाव

(2) गुण	दोष
<ul style="list-style-type: none"> ① धार्मिक अधिकारों से ठीक पर्यावरण का मूल्य ② शहर की वृद्धि की सुरक्षा ③ प्रशासन को स्थानीय लोगों का सहयोग 	<ul style="list-style-type: none"> ① धार्मिक अधिकारों से अवहेलना ② प्रशासन का पक्षपातपूर्ण व्यवहार ③ शहर को होने वाले आर्थिक लाभों को वांछित करना ④ शहर की राष्ट्रीय पटल पर पहचान को सीमित करना
(3) गुण	दोष
<ul style="list-style-type: none"> ① संतुलित दृष्टिकोण दोनों पक्षों द्वारा स्वीकृति से स्थापना ② धार्मिक विकास पर्यावरण का अधिकार भी ③ सामुदायिक स्नेह व विकास ④ शहर की अर्थव्यवस्था में सुधार से आगे ईकॉनॉमिक नियम की पहचान 	<ul style="list-style-type: none"> ① गुणों की अपेक्षा दोष कम ② यथा; परियोजना में देरी होना आदि
<p>अपेक्षा में तीसरा विकल्प सर्वोत्तम प्रतीत होता है।</p>	

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को
इस लिफाफे में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अपनी पसंद कि व्यक्ति से विवाह
का अधिकार अनु. १६ के अंतर्गत मुख्य
भाग है किंतु मनमधिकार समाज में
स्वीकृत हो यह हमेशा आवश्यक नहीं।
उपरोक्त हद इसी की प्रासंगिक अभिव्यक्ति
है।

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे-

① बेटी के पसंद का अधिकार (अनु. १६)

② एक पिता होने की जिम्मेदारी
बेटी का कल्याण विवाह भारतीय
समाज में एक उच्च मूल्य

③ अपनी व्यक्तिगत सहवाकों का
भावित्य कि राजनीतिक याता-
संकर में पड़ने का खतरा।

④ समाज में सौहार्द-

विवाह में समुदाय की पहचान
सांस्कृतिक सौहार्द में कमी को व्यवस्था
करती है।

⑤ राजनीतिक दल की प्राप्ति।

⑥ उपलब्ध विकल्प .

विकल्प नं. 01: बेटे के विवाह को अन्य ढङ्गे से कराना

गुण दोष

① राजनीति के क्षेत्र में
बृद्धि

समाज में सम्मान
में वृद्धि

① बेटे के अधिकारों
का उल्लंघन

① पिता होते के जिम्मेदारी
न लेना

① अंतर्लगा से निर्णय
लेना

भागे पञ्चायाप में
जीना .

विकल्प नं. 02 बेटे के विवाह को सीमित रूप से
संपन्न कराना .

गुण दोष

बेटे के पसंद तथा
रचय का पद दोनों
सुरक्षित .

① समाज में स्वीकृति का
कार्य
पार्षी का विडवाता .

① सामाजिक दबाव के
वजह से अपने

① न्यायपूर्ण व्यवहार
पीछे रहना .

बेटे के उच्चा श
अपुन होना

① समझौतावारी चालना
किस दो हलु खतरा

© विकल्प नं. 03/ मेरे द्वारा ही गयी कार्यवाही
राजनीतिक आलाकमान को संचित करना
तथा उन्हें विधायन में लेना.

॥
अन्य समुदायों का दल में विधायन
बढ़ेगा आदि.

बेटी की पसंद का सम्मान करना तथा
मुख्य धारा के व्यक्तियों के साथ
सामुदायिक सौहार्द कायम रखना.

निजी तथा सार्वजनिक जीवन में अंतर
बनाये रखना.

सार्वजनिक जीवन में भी आगे सामुदायिक
सौहार्द ही राजनीति.

याददल द्वारा न मानने पर उत्तीर्ण देना तथा
अपनी प्रतिभा के द्वारा आगे विकास
करना.

राजनीतिक दल
के नीतियों में
सुदृढ़ता

औचित्य

बेटी का अधिकार
सुरक्षित.

सामुदायिक सौहार्द.

पिता होने की निम्नकारी तथा
उपर्युक्त को राजनेता को संतुलित करना
सामुदायिक सौहार्द हेतु
उपाय बनाना.

एक राष्ट्र के रूप में

समावेशी विकास हेतु आवश्यक है कि हम
वर्ग, भाषा, संप्रदाय आदि की भावना
से परे होकर साथ आएं। "

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL